सूचना

दिनांक 03.09.2018

सभी व्याख्याता, एवं छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि इस महाविद्यालय के दिनांक 07.10.2018 से 08.10.2018 तक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाना है। इस सेमिनार का विषय "SOCIETY AND MODERN EDUCATION" है। इस सेमिनार के अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया जाना है। इस स्मारिका में प्रकाशित होने के लिए इच्छुक व्याख्यता/छात्र/छात्रा अपना लेख जमा करेगें जिसे समीक्षोपरांत प्रकाशित किया जा सके। साथ ही इस राष्ट्रीय सेमिनार के सफल संचालन हेतु सभी का सहयोग अपेक्षित है। आयोजन समिति के द्वारा दिए गए कार्यो का निष्पादन संबंधित व्यक्तियों को तत्परता के साथ करना आवश्यक रहेगा।

03/09/2018
प्राचार्य
भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन,
कन्दरी, माण्डर, रॉची

NATIONAL SEMINAR

DAY-1: The National Seminar was organised in our college on 7th and 8th October 2018. In the seminar some board of Advisors has comes—
Dr. Saraswati Mishra, HOD - Uni Dept. of Philosophy cum, Dean Humanity, RU, Ranchi; Dr. P.K. Verma, D.S.W, RU Ranchi; Dr. Kamal Kr Bose HOD - Hindi, St. Xavier's College Ranchi; Dr. Ashok Kr. Choudhary Co-ordinator, HRDC, Ranchi University. All of these were welcomed with great pomp in our college. They were welcomed by singing welcome song with drums and Tilak. After this they were placed in the New Multipurpose Hall. It was a two days National Seminar.

Breakfast was also arranged for everyone and then the program was started. The welcome speech was given by IQAC Co-ordinator Krishna Sneh. After that a group dance performed by D. EL. Ed (Ist year) students. The technical session began after break from other universities. The participants from B.Ed college presented their abstracts in these topics.

1. The Role of Teaching Ethics in Present Education Scenario.
2. MYTH OR REALITY
3. "WOMEN EMPOWERMENT" through education
4. IMPORTANCE OF INCLUSIVE EDUCATION.
5. DISTANCE AND FLEXIBLE EDUCATION SYSTEM
6. TEACHER'S QUALITY - A REAL CONCERN FOR TODAY and enlighted the audience and impressed the experts. The valenteers of our college were moving on their toes to make the

presentation systematic. The technical session got over by 5:00 p.m we left the college after winding up and arranging things for the day 2.

DAY-2:

On the 2nd day of the seminar all the guests were greeted with the same pomp as on the first day (welcome song sing with drums and Tilak) and then the program started as soon as the 1st day.

After that day 2 consisted with Technical session and valedictory session. Technical session got over by 6:00 pm. We left the college after winding up.

Vibha

NATIONAL SEMINAR
ON
SOCIETY & MODERN EDUCATION
(SME 2018)

भारथी बीएड कॉलेज में दो दिवसीय सेमिनार शुरू, शिक्षा व आधुनिक विषय पर शिक्षकों और शिक्षाविदों ने रखे अपने विचार

दूसरे को मूर्ख समझने वाला व्यक्ति कभी विद्वान नहीं हो सकता : डॉ. पांडेय

भास्कर न्यूज | मांडर

...को मूर्ख समझने वाला व्यक्ति विद्वान नहीं हो सकता है। दुनिया में कोई भी व्यक्ति नहीं है, जिसके कुछ न कुछ ज्ञान छिपा न हो। [illegible] की आलोचना करने की [illegible] उनके अंदर छिपी प्रतिभा को [illegible] का प्रयास करना चाहिए। उक्त [illegible] रांची विश्वविद्यालय के कुलपति [illegible] पांडेय ने कही। वे रविवार को [illegible] बीएड कॉलेज में आयोजित दो [illegible] सेमिनार के उद्घाटन समारोह [illegible] मुख्य अतिथि बोल रहे थे। [illegible] और आधुनिक शिक्षा विषय पर आयोजित इस सेमिनार में उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का ज्ञान सबको है। पढ़े-लिखे लोगों को भी और अज्ञानी लोगों को भी। लेकिन कर्तव्यों की जानकारी किसी को नहीं है। अधिकांश व्यक्ति दोहरे व्यक्तित्व के होते हैं। जो करते हैं, वो बोलते नहीं और जो बोलते हैं, वो करते हैं। मौके पर कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष छवि सिन्हा, सचिव नितिन पराशर, शैक्षणिक सचिव दीपाली पराशर, प्राचार्य उपेंद्र उपाध्याय, कृष्णा स्नेह, मधु रंजन, विनिता चौधरी, विवेक जायसवाल, राकेश राय, सलमा व तुलसीदास उपस्थित थे।

सेमिनार का उद्घाटन करते वीसी डॉ. रमेश पांडेय, पद्मश्री मुकुंद नायक व अन्य।

बगैर लक्ष्य निर्धारित किए कुछ नहीं कर सकते हैं

उन्होंने शोधार्थियों से कहा कि बगैर लक्ष्य निर्धारित किए आप कुछ नहीं कर सकते हैं। दिशाविहीन होकर लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता है। सेमिनार के विषय के संबंध में उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण विषय है, इस पर चर्चा होनी ही चाहिए। दो दिनों तक इस शोध में जो भी बातें सामने आएंगी, निश्चित रूप से यह शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी।

समाज में बदलाव की जानकारी जेहन में रखें : मुकुंद नायक

इस अवसर पर पद्मश्री मुकुंद नायक ने अपना संबोधन नागपुरी गीत हमर [illegible] से शुरू किया। [illegible] कि समाज की स्थिति तब क्या थी और अब क्या है, इसकी जानकारी अपने जेहन में रखनी होगी। कार्यक्रम के कन्वेनर मनोज गुप्ता ने विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि इस सेमिनार का उद्देश्य विचारों और ज्ञान का आदान प्रदान करना है। [illegible] छोड़ बिना आधुनिक शिक्षा को अपनाए [illegible] ही विकसित समाज कहलाता है। सेमिनार में आए निष्कर्ष को रांची विश्वविद्यालय तक पहुंचाया जाएगा। इससे पहले कॉलेज पहुंचने पर अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप जलाकर किया गया। धन्यवाद ज्ञापन नीरज कुमार आलोक ने किया।

दैनिक भास्कर
08/10/18

अधिकार की बात तो करते हैं, पर कर्तव्य भूल जाते हैं

राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन करते वीसी डॉ रमेश कुमार पांडेय.

■ भारथी कॉलेज में आधुनिक शिक्षा व समाज विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

कंदरी स्थित भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में रविवार को राष्ट्रीय सेमिनार शुरू हुआ. समाज और आधुनिक शिक्षा विषय को लेकर आयोजित सेमिनार का उदघाटन रांची विवि के कुलपति डॉ रमेश पांडेय, डीएसडब्ल्यू डॉ पीके वर्मा, पद्मश्री मुकुंद नायक व कॉलेज के सचिव नितिन पराशर ने संयुक्त रूप से किया. डॉ रमेश पांडेय ने कहा कि आज के प्रबुद्ध लोग अपने अधिकार की बात तो करते हैं, लेकिन अपने कर्तव्य व दायित्व को भूल जाते हैं. वे जो बोलते हैं करते नहीं और जो करते हैं वह बोलते नहीं है. पद्मश्री मुकुंद नायक ने कहा कि किसी भी समाज को उसके वर्तमान से नहीं बल्कि उसके पहले के संदर्भ से भी परिभाषित किया जाना चाहिए.

इस मौके पर डॉ पीके वर्मा, एचआरडीसी के निदेशक डॉ एके चौधरी, केंद्रीय विवि के डॉ विमल, एसआर उपाध्याय व डॉ रत्नेश, विनोबा भावे विवि के डॉ तनवीर यूनुस, संत जेवियर कॉलेज के डॉ कमल कुमार बोस, गोस्सनर कॉलेज के डॉ पीके गुप्ता, रांची विवि के डॉ सुशील कुमार अंकन, प्राचार्य डॉ उपेंद्र उपाध्याय, मनोज कुमार गुप्ता, कृष्णा स्नेह, नीरज कुमार आलोक, कॉलेज की अध्यक्ष छवि सिन्हा, शैक्षणिक सचिव दीपाली पराशर आदि मौजूद थे.

cal Centre
uper Speciality Hospital

प्रभात खबर
8/10/2018